

प्रेषक,

एस0एस0 वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 17 अक्टूबर, 2012

विषय:- रीच संस्था को विरासत-2007 के आयोजन हेतु अनुदान दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1318/सं0नि0उ0/चार-156/2012-13 दिनांक 06 अगस्त, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, विरासत-2007 के आयोजन हेतु "रीच संस्था" देहरादून को वर्ष 2007 में हुए एम0ओ0य० के आधार पर ₹35.00 लाख की वचनबद्धता के सापेक्ष लम्बित धनराशि ₹30.00 लाख के सापेक्ष ₹5.00 लाख (पांच लाख) मात्र की धनराशि वित्तीय वर्ष 2012-13 में संस्कृति विभाग के अन्तर्गत- 03 स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान मानक मद में प्राविधानित धनराशि से स्वीकृति प्रदान करते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2— उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-150/VI-1/2007-4(4)/2007 दिनांक 5-3-2008 के द्वारा निर्धारित मानक पूर्ण होने पर ही आहरित की जायेगी।

3— उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012, तथा शासनादेश संख्या-321/XXVII(1)/ 2012 दिनांक 19 जून, 2012 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

4— वित्तीय हस्त पुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय 16-क—अनुच्छेद 369 के सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि तभी प्रदान की जाये जब सम्बन्धित द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुपालन का शपथ पत्र प्रदान किया जाये।

5— उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

.....(2)

6— धनराशि का आहरण बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

7— इस संस्था द्वारा किये गये कार्यों/प्रोजेक्ट की हार्ड व साफ्ट प्रतियों जैसा लागू है, में पांच प्रतियों में संस्कृति विभाग को अभिलेख के रूप में उपलब्ध करायेंगे।

8— उक्त धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण—पत्र निर्धारित प्रारूप पर मदवार व्यय शासन को उपरोक्त साक्ष्य के साथ आवश्य उपलब्ध कराया जायेगा।

9— संस्था को उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि संस्था इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।

10— निदेशक इस आदेश के एक सप्ताह के अन्दर संस्था को धनराशि आवंटित करेंगे। इस हेतु एक समिति गठित की जायेगी।

11— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-03-स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(एस०एस० वल्दिया)

उप सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 530 /VI-2 /2012-5(23)2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

- 1— महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2— निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3— वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 4— वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5— बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6— एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)

अनुसचिव।